The Speaker made observations by raising slogans using placards

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण**,** मैंने हमेशा सदन में यह प्रयास किया है कि सदन चले और विशेष रूप से प्रश्न काल के समय मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि प्रश्न काल माननीय सदस्यों का समय होता है । उसमें व्यापक चर्चा होनी चाहिए और चर्चा में सरकार की जवाबदेही भी तय होती है । लेकिन मैं पिछले कुछ दिनों से देख रहा हूं कि सदन में नियोजित तरीके से बाधा की जाती है और तख्तियां लेकर नारेबाजी की जा रही है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण**,** अगर आपको किसी मुद्दे पर चर्चा करनी है**,** किसी विषय पर चर्चा करनी है**,** तो आप मेरे पास आएं । हर विषय पर**,** हर मुद्दे पर सरकार से बात करके चर्चा का रास्ता निकाला जा सकता है । लेकिन हम आते ही सदन के अंदर या सदन के बाहर केवल तख्तियां लेकर नारेबाजी करें**,** यह उचित नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपको लगता है तो आप मेरे पास आइए । मैं सरकार के प्रतिनिधियों को बुलाता हूं और मैं आपको बुलाता हूं । आप मुद्दों पर चर्चा करें**,** विषयों पर चर्चा करें**,** लेकिन यह तरीका ठीक नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं । हमारे पीछे 20-20 लाख लोग बड़ी अपेक्षाओं से सदन को देखते हैं । लोग देखते हैं कि हमारे मुद्दों पर**,** हमारे विषयों पर**,** हमारी आकांक्षाओं पर**,** हमारी चिंताओं पर सदन में चर्चा होगी । आप तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हैं । यह उचित नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या आप सदन नहीं चलाना चाहते हैं**,** सदन में चर्चा नहीं करना चाहते हैं? नियोजित गतिरोध लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप आकर मुझसे मिलें । मैं हर विषय पर चर्चा के लिए आपसी सहमति बनाऊंगा**,** लेकिन प्रश्न काल के अंदर**,** किसी विषय के अंदर जिन माननीय सदस्यों का प्रश्न है**,** केवल उनको ही बोलने का अवसर दिया जाता है । यह अच्छी परंपरा और परिपाटी रही है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** हमें प्रयास करना चाहिए कि किसी विषय पर गतिरोध हो**,** तो आप बात करें । यह अच्छी परंपरा और परिपाटी रही है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन में सरकार और प्रतिपक्ष बैठ कर चर्चा करती है । मैं आपसे फिर कह रहा हूं, आप चर्चा के लिए आइए, हम हर गतिरोध को समाप्त करेंगे, सरकार के प्रतिनिधि भी होंगे, आपके भी प्रतिनिधि भी होंगे । अगर कुछ मुद्दों का समाधान निकलता है तो उचित है नहीं तो आपको अपनी असहमति दर्ज कराने का लोकतंत्र में अधिकार है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : लेकिन असहमति किस तरह से दर्ज होनी चाहिए, असहमति किस तरह से होनी चाहिए, संसदीय लोकतंत्र की परिपाटी और परंपरा के अनुसार होनी चाहिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सदन नहीं चलाना चाहते हैं । सदन में चर्चा नहीं करना चाहते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न संख्या 81.

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** श्री कीर्ति वर्धन जी आप कुछ बोलना चाहते हैं?

? (व्यवधान)

14.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Fourteen of the Clock.

(Shri Jagdambika Pal *in the Chair*)